थैलेसीमिया ग्रस्त बच्चों के जन्म से मुक्ति की राह

प्रत्येक माता–पिता की सर्वप्रथम यह आकांक्षा होती है कि उनके बच्चे स्वस्थ रहें। क्या आप ऐसे रोग के विषय में जानते हैं जो बच्चे को जन्म से ही हो सकते हैं ? ऐसी कई जेनेटिक बीमारियाँ हैं जिनके गंभीर परिणाम हो सकते हैं एवं इलाज मुश्किल होता है, उदाहरण स्वरूप थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, मन्दबुद्धि होना, इत्यादि। गर्भवती महिला को ऐसी बीमारियों से बचाव के तरीके बताना अत्यंत आवश्यक है।

गर्भस्थ शिशु की जाँच

क्या गर्भ में पल रहा मेरा बच्चा स्वस्थ है ? इस प्रश्न का उत्तर पूरी तरह दे पाना असम्भव है। विज्ञान के विकास से अब हम कई अनुवांशिक बीमारियों को गर्भावस्था में भी पकड़ सकते हैं। थैलेसीमिया के निदान हेतु गर्भस्थ शिशु की जाँच की सुविधा उपलब्ध है। इस जाँच से किसी भी परिवार में थैलेसीमिया से ग्रस्त शिशु का जन्म रोका जा सकता है।

भारतवर्ष में बीटा थैलेसीमिया (Thalassemia) की समस्या

बीटा थैलेसीमिया भारत में पाया जाने वाला एक आम अनुवांशिक रोग है। 100 में तीन व्यक्ति थैलेसीमिया रोग के वाहक होते हैं, अर्थात उन्हें स्वयं को रोग नहीं होता परन्तु उनके बच्चों में थैलेसीमिया मेजर नामक रक्त सम्बन्धी गम्भीर रोग प्रकट हो सकता है।

थैलेसीमिया मेजर क्या है ?

इस बीमारी से वे बच्चे पीड़ित होते हैं जिनके माता–पिता दोनों ही थैलेसीमिया के वाहक होते हैं। इन बच्चों को छः माह से दो वर्ष की आयु के बीच में रक्त की मात्रा में कमी हो जाती है एवं उचित उपचार न होने पर कुछ वर्षों में उनकी मृत्यु हो जाती है।

क्या थैलेसीमिया मेजर का उपचार सम्भव है ?

इस गम्भीर बीमारी का सम्पूर्ण उपचार केवल बोन मैरो ट्रांसप्लान्टेशन (Bone Marrow Transplantation) अर्थात हड्डी का रक्त बदलने से ही हो सकता है। यह प्रकिया खर्चीली व मुश्किल है। यह प्रकिया केवल उन बच्चों में की जा सकती है जिन बच्चों के भाई बहनों का बोन मैरो उनके समान हो। एक अन्य उपचार सम्भव है जिसमें बच्चे को हर तीन हफ्ते पर रक्त चढ़वाना तथा दवाइयों द्वारा रक्त से होने वाले दुष्प्रभाव को रोकना होता है। इस उपचार के दौरान रोगी बच्चे के परिवार को कई आर्थिक व मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

क्या थैलेसीमिया मेजर से ग्रस्त शिशु का जन्म रोका जा सकता है ?

गर्भस्थ शिशु की 12 से 20 हफ्ते के बीच में जाँच कर यह बताया जा सकता है कि उसे थैलेसीमिया मेजर है कि नहीं। बीमारी से पीड़ित गर्भस्थ शिशु का गर्भपात कर गम्भीर बीमारी से पीड़ित शिशु का जन्म रोका जा सकता है।

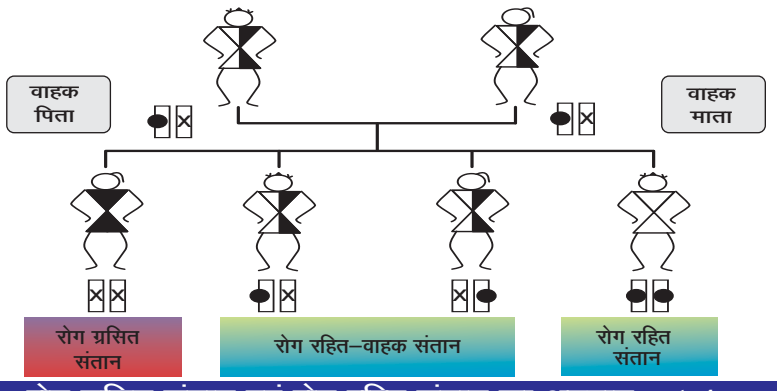

रोग ग्रसित संतान एवं रोग रहित संतान का अनुपात – 1:4

क्या मेरे परिवार में थैलेसीमिया मेजर से ग्रसित बच्चा पैदा हो सकता है ?

जी हाँ, यदि माता–पिता दोनों वाहक हों तो बच्चों में बीमारी होने की सम्भावना 25 प्रतिशत (अर्थात 4 में 1) होती है। एक सरल सी रक्त की जाँच से यह भी पता किया जा सकता है कि आप थैलेसीमिया रोग के वाहक हैं या नहीं। पति–पत्नी दोनों के वाहक पाये जाने की स्थिति में उनके गर्भस्थ शिशु की जाँच होना अनिवार्य हो जाता है। ज्यादातर परिवार में जब थैलेसीमिया ग्रसित बच्चे का जन्म होता है तब उनके परिवार में पहले इस तरह की बीमारी का कोई मरीज नहीं होता है।

इस जाँच की सुविधा कहाँ उपलब्ध है ?

थैलेसीमिया कैरियर की जाँच के लिये खून के एच0 पी0 एल0 सी0 द्वारा हिमोग्लोबिन ए टू (HbA2) की मात्रा देखी जाती है। यह सुविधा मेडिकल जेनेटिक्स विभाग, संजय गाँधी पी0 जी0 आई0 लखनऊ में उपलब्ध है। हजारों व्यक्तियों की जाँच करके इस गंभीर बीमारी का समाज से पूरी तरह उन्मूलन करने का जेनेटिक्स विभाग प्रयास कर रहा है। यह कैरियर की जाँच गर्भधारण के पूर्व या गर्भावस्था के पहले 2 महीनों में करवा लेनी चाहिए। इससे उचित समय पर गर्भस्थ शिशु की जाँच करके थैलेसीमिया से मुक्त बच्चे का जन्म सुनिश्चित किया जा सकता है। थैलेसीमिया के लिए गर्भस्थ शिशु की जाँच (Prenatal Diagnosis) एक अत्याधुनिक जाँच है और यह सुविधा पूरे उत्तर प्रदेश में सिर्फ संजय गाँधी पी0 जी0 आई0 लखनऊ में उपलब्ध है।

उपचार से बचाव सरल है।

थैलेसीमिया रोग इलाज के लिए कठिन बीमारी है लेकिन इसके बचाव बहुत ही सरल है। अब उपलब्ध सुविधा का उचित लाभ उठाने के लिए आम जनता तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ को इसकी जानकारी अवश्य होनी चाहिए। इससे यह सुविधा अधिक से अधिक परिवारों को उपलब्ध हो सकती है और अनेक परिवारों को थैलेसीमिया के प्रभाव से बचाया जा सकता है।

कृपया ध्यान दीजिए!

थैलेसीमिया के वाहकों (Carriers) को थैलेसीमिया की बीमारी नहीं होती है। न ही इसमें उनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव पड़ता है। थैलेसीमिया सामाजिक या व्यक्तिगत लांछन नहीं है। यह आपके लिए एक खतरे की घंटी है, जिसे सुनकर आप सावधान हो जायें और भविष्य में परिवार में होने वाले बच्चों को थैलेसीमिया से बचायें। किसी भी परिवार में थैलेसीमिया से ग्रसित बच्चे का जन्म हो सकता है। हर परिवार के लिए थैलेसीमिया की जाँच आवश्यक है।

स्वस्थ शिशु का जन्म। परिवार का सुख

डा0 शुभा फड़के
विभागाध्यक्ष
मेडिकल जेनेटिक्स विभाग
संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान
रायबरेली रोड,लखनऊ

संभव हो तो परिवार को स्पायनल मस्क्युलर डिस्ट्रोफी एवं फैजाईल एक्स बीमारियों के कैरियर टेस्ट की जानकारी देनी चाहिए।